दबाव समूह

परिभाषा औऱ लक्षण

दबाव समूह विशेष हितों के साथ जुड़े ऐसे शक्ति संगठन होते हैं जो अपने सदस्यों के हितों की रक्षा हेतु सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने की चेष्टा करते रहते हैं। दबाव समूहों की कुछ परिभाषायें निम्न हैं:

ओडीगार्ड के अनुसार, "दबाव समूह ऐसे लोगों का औपचारिक संगठन है जिसके एक अथवा अधिक सामान्य उद्देश्य या स्वार्थ होते हैं और घटनाओं के क्रम को,विशेष रूप से सार्वजनिक नीति के निर्माण और प्रशासनिक कार्यो को इसलिए प्रभावित करने का प्रयत्न करए हैं कि वे अपने हितों की रक्षा एवम वृद्धि कर सकें।"

मायरन वीनर के शब्दों में ,"हिट या दबाव समूहों से हमारा तात्पर्य शासन के ढांचे के बाहर स्वेच्छिक रूप से संगठित ऐसे समूहों से होता है जो प्रशासनिक अधिकारियों की नामजदगी और नियुक्ति, विधि निर्माण औऱ सार्वजनिक नीति के क्रियान्वयन को प्रभावित करने के लिए प्रयत्नशील रहते है।"

प्रोफेसर मदन गोपाल गुप्ता के अनुसार,"दबाव समूह वास्तव में एक ऐसा माध्य्म है जिसके द्वारा सामान्य ह हित वाले व्यक्ति सार्वजनिक मामलों को प्रभावित करने करते हैं। इस अर्थ में इस अर्थ में ऐसा कोई भी सामाजिक समूह जो प्रशासकीय और विधाई दोनों ही प्रकार के निर्णयकर्ताओं को, सरकार प्रत्यक्ष नियंत्रण प्राप्त करने की चेष्टा किये बिना ही प्रभावित करने चाहता है, दबाव समूह कहलायेगा।"

सीधे-साधे शब्दों में इन दबाव समूह को सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने के उद्देश्य से निर्मित गैर सरकारी समूह कहा जा सकता है उदाहरण के लिए औद्योगिक व्यवसायिक वाणिज्य श्रमिक और अन्य वर्गों के समूह के समूह के

Scanned with CamScanner

समूह के समूह विधि के समूह विधि निर्माण और प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करने का प्रयत्न करते हैं जिनसे कि वह अपने हितों में कानून बनवा सके या अपने हितों को हानि पहुंचाने वाले विधायकों को वापस लेने के लिए अथवा उनमें आवश्यक परिवर्तन करवाने के लिए प्रयत्न कर सकें तथा प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित कर सकें इस प्रकार दबाव समूह अपने सदस्यों के आर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक और धार्मिक विशेषता उनके आर्थिक और व्यवसायिक हितों की रक्षा तथा वृद्धि में संलग्न रहते हैं

Scanned with CamScanner